भारतीय अर्थव्यवस्था : महत्वपूर्ण तथ्य

राष्ट्रीय आय

- वर्ष 2011–12 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 2004–05 की कीमतों पर वृद्धि दर का अग्रिम अनुमान 6.9% का लगाया गया है।
- 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007–12) के दौरान 9% वार्षिक विकास का लक्ष्य निर्धारित कियागया था, किन्तु उपादान लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद 2004–05 की कीमतों पर वृद्धि का वास्तविक अनुमान 7.9% का है।
- चालू मूल्य स्तर पर 2010–11 में प्रति व्यक्ति आय 53331 रुपए आकलित की गई है, जबकि 2011–12 के लिए अग्रिम अनुमान 60972 रुपए का लगाया गया है।
- विश्व विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार वर्ष 2009 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 1180 डॉलर थी।
- केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन के त्वरित अनुमानों के अनुसार 2004–05 मूल्य स्तर पर 2010–11 में भारत में 'साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद' अर्थात् राष्ट्रीय आय (Net National Product at Factor Cost or National Income) 4268715 करोड़ रुपए अनुमानित किया गया है।
- 2009–10 की स्थिति के अनुसार चालू कीमतों पर सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय (132719 रुपए) वाला राज्य गोवा है।
- 2009–10 की स्थिति के अनुसार चालू कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय (120912 रुपए) वाला केन्द्रशासित प्रदेश चण्डीगढ़ है।
- वित्तीय वर्ष 2009–10 में देश में आर्थिक वृद्धि दर 4% से 5% के बीच रहने का पूर्वानुमान विश्व बैंक, ADB व OECD (Organisation for Economic Cooperation and Development) आदि ने व्यक्त किया था। IMF ने 2010 के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था की आर्थिक वृद्धि दर 9.7% आकलित की थी। वर्ष 2011 के लिए 7.75% की अनुमानित की गई है, जबकि वर्ष 2012 में सम्भावित वृद्धि दर का पूर्वानुमान 7.5% का लगाया गया है।
- वर्ष 2010–11 के दौरान GDP में कृषि, उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का योगदान क्रमशः 14.5%, 27.8% तथा 57.7% अनुमानित है। आर्थिक समीक्षा 2011–12 के अनुसार 2011–12 के अग्रिम अनुमानों में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र का हिस्सा 2004–05 की कीमतों पर GDP का 13.9% अनुमानित किया गया है, जबकि उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का हिस्सा क्रमशः 27 प्रतिशत तथा 59 प्रतिशत रहा है।

कृषि

- भारत की मुख्य खाद्य फसल चावल है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग 52% लोगों को कृषि क्षेत्र में रोजगार मिला हुआ। वर्ष 2011–12 के दौरान GDP में कृषि क्षेत्र का अंश 13.9% अनुमानित किया गया था। प्राथमिक क्षेत्र में केवल कृषि का हिस्सा 12.3% वानिकी और मत्स्यिकी का हिस्सा क्रमशः 1.5% तथा 0.7% है।
- वर्ष 2010–11 के अनुमानों में खाद्यान्न उत्पादन का 244.78 मि. टन का अनुमान लगाया गया था, जबकि 2011–12 के तृतीय अग्रिम अनुमान 252.56 मिलियन टन है।
- देश में हरित क्रान्ति 1960 के दशक के मध्य (2006–07) से प्रारम्भ हुई मानी जाती है।
- हरित क्रान्ति के परिणामस्वरूप कुल खाद्यान्न उत्पादन में गेहूँ का भाग काफी बढ़ गया है, चावल का भाग लगभग स्थिर रहा है, जबकि मोटे अनाज व दालों के भाग घटे हैं।
- कृषि क्षेत्र की औसत विकास दर 2007–08 में 5.8%, 2008–09 में (–) 0.1%, 2009–10 में 0.4% तथा वर्ष 2010–11 में 7% अनुमानित की गई है। 11वीं योजना की लक्षित वार्षिक औसत 4% की दर प्राप्त करने के लिए 2011–12 में 8.5% की वृद्धि दर प्राप्त करने की आवश्यकता थी, किन्तु यह दर 2.5% ही अनुमानित की गई है।
- वर्ष 2010 में खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 438.6 ग्राम प्रति दिन थी जिसमें 31.6 ग्राम दालें व 407 ग्राम अनाज था।
- भारत में उत्पादित तिलहनों में 9 प्रमुख तिलहन हैं– मूँगफली, सरसों और तोरिया, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल (Sesamum), अरण्डी (Castor), नाइजर (Niger), अलसी (Linseed) और कुसुम्ब (Safflower)।
- भारत में सोयाबीन का **सर्वाधिक उत्पादन मध्य प्रदेश** में होता है।
- उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार **विश्व में चीनी का सर्वाधिक उत्पादन ब्राजील** में व **सर्वाधिक खपत भारत** में होती है।
- भारत में **गेहूँ का सर्वाधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश** में होता है। दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः पंजाब व हरियाणा है।
- **चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य प. बंगाल है।** दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः उत्तर प्रदेश व पंजाब है।
- **मोटे अनाज का सर्वाधिक उत्पादन राजस्थान** में होता है। दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः महाराष्ट्र और कर्नाटक है।
- **दालों का सर्वाधिक उत्पादन मध्य प्रदेश** में होता है। दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः उत्तर प्रदेश व राजस्थान है।
- कुल **तिलहनों का सर्वाधिक उत्पादक राज्य गुजरात** है। मध्य प्रदेश और राजस्थान क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- काली चाय के उत्पादन एवं उपभोग में **भारत का विश्व में प्रथम** स्थान है।
- **भारत विश्व में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश** है और यहाँ विश्व उत्पादन का 27% उत्पादन और विश्व व्यापार का 13% व्यापार होता है। चाय का निर्यात घरेलू उत्पादन का लगभग 20% है।

- नारियल के उत्पादन, उपभोग तथा निर्यात में भारत का विश्व में पहला स्थान है, जबकि प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के मामले में मैक्सिको का पहला स्थान है। भारत का प्रति हेक्टेयर नारियल उत्पादन में चौथा स्थान है।
- विश्व के कुल कॉफी उत्पादन के 4.0 प्रतिशत भाग का उत्पादन भारत में होता है तथा भारत का छठवाँ स्थान है।
- भारत में कॉफी के कुल उत्पादन का 56.5% केवल कर्नाटक राज्य में होता है।
- भारत 2010 में प्राकृतिक रबड़ के विश्व उत्पादन में 8.2% हिस्से के साथ चौथा सबसे बड़ा उत्पादन देश हैं तथा दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बनकर उभरा है।
- 2009–10 के आँकड़ों के अनुसार देश में रबड़ की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 1143 किग्रा. है, जशेकि विश्व में सर्वाधिक है। केरल रबड़ उत्पादक राज्यों में प्रमुख है। जहाँ देश का 90% रबड़ उत्पादन होता है। विश्व में रबड़ उत्पादन में थाइलैण्ड का प्रथम स्थान है। प्राकृतिक रबड़ के लिए देश की माँग का लगभग 97% घरेलू उत्पादन से पूरा किया जाता है। 2011–12 में प्राकृतिक रबड़ उत्पादन 9.77 लाख टन अनुमानित है।
- 1998 से भारत विश्व का पहला सबसे बड़ा दूध उत्पादक राष्ट्र हो गया है। 1950–51 में भारत में दूध का उत्पादन 17 मिलियन टन था, जो 2010–11 में 121.8 मिलियन टन हो गया।
- 1950–2011 की अवधि में भारत में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धि 124 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 281 ग्राम प्रतिदिन हो गई है, जबकि न्यूनतम आवश्यकता 211 ग्राम प्रतिदिन है। पंजाब में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता सर्वाधिक 800 ग्राम है। विश्व में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 265 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति अनुमानित की गई है। इसी अवधि में अण्डों की प्रति व्यक्ति उपलब्धि 10 प्रतिवर्ष से बढ़कर 42 प्रतिवर्ष हो गई है।
- बृहद् फसल बीमा योजना (Comprehensive Crop Insurance Scheme) अप्रैल 1985 में प्रारम्भ की गई थी। रबी 1999–2000 से इस योजना की जगह राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना प्रारम्भ की गई है।
- जनवरी 2012 में केन्द्रीय मूलय में वास्तविक स्टॉक गेहूँ का 25.68 मिलियन टन तथा चावल का 29.72 मिलियन टन था, जो उनके न्यूनतम बफर स्टॉक मानक क्रमशः 11.2 मि. टन तथा 13.8 मि. टन से अधिक था।
- भारत विश्व में सब्जियों का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र और फलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है।
- भारत विश्व में मछली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और मत्स्य पालन का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश हैं मत्स्यिकी क्षेत्र देश में 11 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।
- फरवरी, 2004 में सरकार ने राष्ट्रीय कृषक आयोग गठित किया था।
- कृषि को संस्थागत ऋणों के प्रवाह में सबसे बड़ा हिस्सा 61% वाणिज्यिक बैंकों का, उसके बाद सहकारी बैंक (28%) तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (11%) है। वर्ष 2011–12 के दौरान 475000 करोड़ रुपए के कृषि ऋण के लक्ष्य के विरुद्ध वास्तविक ऋण वितरण नवम्बर 2011 तक 294023 करोड़ रुपए का रहा है।
- विश्व में तम्बाकू का सबसे बड़े उत्पादक व उपभोक्ता राष्ट्र चीन में 1 मई, 1997 से सार्वजनिक स्थानां पर धूम्रपान निषिद्ध किया हुआ है।
- उत्तर प्रदेश में फलोत्पादन में क्रान्ति लाने के लिए राज्य का पहला उद्यान शोध केन्द्र मथुरा में स्थापित किया जाएगा।
- अण्डों के उत्पादन में भारत का विश्व में पाँचवाँ स्थान है। यहाँ प्रति वर्ष लगभग 63 अरब अण्डों का उत्पादन होता है। अण्डा उत्पउदन में विश्व के पहले तीन राष्ट्र क्रमशः अमरीका, चीन का ब्राजील है।
- विश्व में अफीम का सर्वाधिक उत्पादन अफगानिस्तान में होता है, जहाँ शेष विश्व की तीन गुना अफीम उत्पन्न होती है।
- किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूलय प्राप्त होने तक उपज को रोकने में सक्षम बनाने के लिए कॉर्पोरेशन बैंक द्वारा 'क्रॉप एग्रीकल्चर प्रोड्यूस लोन' नामक एक कृषि ऋण योजना 1 अप्रैल, 2005 को प्रारम्भ की गई थी।

उद्योग

- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्ष 1993–94 से बदलकर जून 2011 में 2004–05 कर दिया गया है।
- 1993–94 के आधार वर्ष वाले सूचकांक में केवल 538 उत्पादों का समावेश था, किन्तु नए 1993–94 आधार वर्ष वाले सूचकांक में 682 उत्पादों का समावेश है।
- 682 उत्पादों वाले नए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में विनिर्माणी क्षेत्र से 620, खनन क्षेत्र से 61 तथा विद्युत् क्षेत्र से 1 उत्पाद को सम्मिलित किया गया है।
- सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों (Micro Enterprises) के लिए निवेश की सीमा 25 लाख रुपए निर्धारित की गई है।
- लघु औद्योगिक इकाइयों में उन इकाइयों को सम्मिलित किया जाता है, जिनमें प्लांट व मशीनरी में विनियोग 5 करोड़ रुपए तक निर्धारित है। मध्यम उद्यम वाली इकाइयों के लिए यह सीमा 5 करोड़ रुपए से अधिक तथा 10 करोड़ रुपए तक रखी गई है।
- सेवा क्षेत्र में अधिकतम 10 लाख रुपए तक के निवेश की इकाई ही सूक्ष्म उपक्रम (Micro Enterprises) के रूप में रखी गई है, जबकि लघु उपक्रम इकाई के लिए यह निवेश सीमा 10 लाख रुपए से 2 करोड़ रुपए तथा मध्यम उपक्रम इकाई के लिए 2 करोड़ रुपए से 5 करोड़ रुपए तक रखी गई है।
- वर्तमान समय में गुजरात राज्य में 112 सूती वस्त्र मिलें हैं, जिनमें से अकेले अहमदाबाद में 66 मिलें हैं। इसे पूर्व का वोस्टन कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में 104 मिलें हैं, जिनमें से 54 मिलें अकेले मुम्बई में हैं। मुम्बई को सूती वस्त्रों की राजधानी (Cottonopolis) कहा जाता है। कानपुर शहर में सूती वस्त्र की 10 मिलें हैं, जिसे उत्तर भारत का मानचेस्टर कहा जाता है।
- सूती वस्त्र उद्योग मुख्यतः कपास (सफेद सोना) की पूर्ति पर ही निर्भर करता है। कपास उत्पादन के मामले में भारत विश्व में चौथे स्थान पर है और कपास के अन्तर्गत क्षेत्रफल क्षेत्र की दृष्टि से प्रथम स्थान पर पहुँच गया है। देश में कुल कपास उत्पादन की 40% खपत सरकारी मिलों में ही होती है। देश में कपास का उत्पादन गुजरात में सबसे अधिक होता है।

- लघु औद्योगिक इकाइयों की संख्या 2006–07 में 128.4 लाख थी, जिनमें से 20.32 लाख पंजीकृत तथा 108.12 लाख अपंजीकृत थी।
- औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (BIFR) की स्थापना बीमार औद्योगिक कम्पनी अधिनियम 1985 के अन्तर्गत की गई थी। बोर्ड ने 15 मई, 1987 से कार्य करना प्रारम्भ कर दिया था।
- सरकार ने लघु उद्योग क्षेत्र की वित्त सम्बन्धी एवं रुग्णता सम्बन्धी समस्याओं के मूलयांकन के लिए नायक समिति का गठन किया था, जिसने सितम्बर 1992 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।
- वर्ष 2007–08 में GDP और रोजगार में पर्यटन का योगदान क्रमशः 5.92% और 9.24% था।
- वर्तमान में निम्नलिखित 3 उद्योगों को सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित रखा गया है। (1) परमाणु ऊर्जा, (2) रेल परिवहन, (3) परमाणु ऊर्जा की अनुसूची में निर्दिष्ट खनिज। 9 मई, 2001 के मंत्रिमण्डलीय निर्णय के अनुसार सरकार ने सुरक्षा उत्पादन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश की अनुमति प्रदान कर दी है, जिसके लिए कम्पनी को रक्षा मंत्रालय से लाइसेन्स लेना होता है।
- वर्तमान में निम्नलिखित 5 उद्योगों को अनिवार्य लाइसेन्स की परिधि में रखा गया हैं (1) एल्कोहॉलयुक्त पेयों का आसवन व मद्यीकरण (Distillation and brewing of alcoholic drinks), (2) तम्बाकू के सिगार व सिगरेट तथा तैयार तम्बाकू के अन्य विकल्प, (3) इलेक्ट्रॉनिक, एयरोस्पेस व रक्षा उपकरण सभी प्रकार के, (4) दियासलाइयों सहित औद्योगिक विस्फोटक, (5) खतरनाक रसायन (Hazardous Chemicals)।
- लघु उद्योग क्षेत्र में निर्माण के लिए पूर्णतया आरक्षित मदों की कुल संख्या 13 मार्च, 2007 को 114 रह गई थी। 79 मदों को 5 फरवरी, 2008 की एक अधिसूचना के तहत् अनारक्षित किया गया था, जिनके फलस्वरूप यह संख्या घटकर 35 रह गई थी। अक्टूबर 2008 में 14 मदों को अनारक्षित कर दिया गया था। अतः अक्टूबर, 2008 में इनकी संख्या घटकर मात्र 21 रह गई थी।
- सिडबी (SIDBI) द्वारा अप्रैल 2004 से 10000 करोड़ रुपए की लघु एवं मध्यम उद्यम (SME) निधि का प्रचालन आरम्भ कर दिया गया हैं
- क्रेडिट लिंक्ड कैपीटल सब्सिडी स्कीम के तहत् 29 सितम्बर, 2005 से लघु उद्योग क्षेत्र के लिए ऋण सीमा 40 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दी है तथा इसमें सब्सिडी की दर 12% से बढ़ाकर 15% कर दी है।
- देश के कुल विनिर्मित औद्योगिक उत्पादन में लगभग 45 प्रतिशत उत्पादन लघु उद्योग क्षेत्र का है। देश के कुल निर्यातों में लगभग 35 प्रतिशत भाग लघु उद्योग क्षेत्र का हैं
- जहाँ तक लाइसेन्स का प्रश्न है लघु उद्योग क्षेत्र को अब पूर्णरूप से विनियन्त्रित (Deregulated) कर दिया गया हैं
- जापान के सहयोग से गुड़गाँव जिले के मनेसर गाँव में एक आदर्श औद्योगिक टाउनशिप (Industrial Model Township) स्थापित किया जा रहा है। इस पर 1998 करोड़ रुपए की लागत का अनुमान लगाया गया है।
- भारत में डीजल इंजन बनाने का पहला कारखाना 1932 में सतारा (महाराष्ट्र) में खोला गया।
- भारत में साइकिलें बनाने का पहला कारखाना 1938 में कोलकाता (कलकत्ता) में खोला गया। साइकिलों के उत्पादन में भारत का अब विश्व में तीसरा स्थान है। प्रतिवर्ष लगभग 90 लाख साइकिलों का उत्पादन भारत में होता है।

पर्यटन

- भारत पर्यटन विकास निगम की स्थापना एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में 1 अक्टूबर, 1966 को की गई थी।
- पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा निर्यात उद्योग है। कुल विश्व निर्यात में पर्यटन का हिस्सा 12.2% तथा वैश्विक रोजगार में 8.1% है।
- पर्यटन विभाग प्रचालनरत् होटलों का स्टार प्रणाली के अन्तर्गत 6 श्रेणियों, 1 स्टार से 5 स्टार डीलक्स तक तथा हाल ही में चालू की गई हैरिटेज होटल रेणी में वर्गीकरण करता है।
- 1950 से पहले निर्मित हवेलियों, दुर्गों, किलों और निवास स्थानों में प्रचालनरत् होटलों के लिए हैरिटेज होटल की एक नई वर्गीकरण श्रेणी प्रारम्भ की गई है।
- दिल्ली, आगरा व जयपुर की तर्ज पर चेन्नई, बंगलौर व त्रिवेन्द्रम को पर्यटन की दृष्टि से 'गोल्डन ट्राइएंगल' के रूप में विकसित करने का विचार केन्द्र सरकार के विचाराधीन है।
- देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विदेशी पर्यटकों हेतु 'आगमन वीसा' (Visa on Arrival) योजना प्रारम्भ की गई है।
- भारत आने वाली विदेशी पर्यटकों में अधिकांश पश्चिमी यूरोप (31%), उत्तरी अमरीका (18%) व दक्षिणी एशिया (27.4%) से आते हैं।
- वर्ष 2006 में विश्व पर्यटन में भारत का हिस्सा लगभग 0.53% रहा था।

आयात निर्यात

- वैश्विक वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार में भारत के विदेशी व्यापार का अंश 2004 में 1.0% था, जो 2010 में 1.5% हो गया। जनवरी–जून 2011 में यह बढ़कर 1.9% हो गया।
- निर्यातों हेतु सुदृढ़ आधारित संरचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रथम 'ट्रेड पॉइन्ट' की स्थापना नई दिल्ली में 16 अगस्त, 1994 को की गई थी।
- छत्तीसगढ़ में पहले सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना रायपुर जिले में भिलाई में की गई है। इसका उद्घाटन 28 फरवरी, 2002 को कियागया था। यह देश का 25वाँ सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क था।
- अप्रैल–दिसम्बर, 2011 में भारत के पेट्रोलियम आयात 73.734 अरब डॉलर के रहे हैं। वर्ष 2011–12 के दौरान पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक के आयात 155.6 बिलियन डॉलर के रहे हैं।
- दालों के उत्पादन में भारत का विश्व में पहला स्थान होने के बावजूद प्रतिवर्ष लगभग 20 लाख टन दालों का आयात किया जाता है।
- शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन में सर्वाधिक योगदान कपड़ा उद्योग का है, क्योंकि इसके निर्यातों के लिए आयातों पर निर्भरता बहुत कम है।

- व्यक्तिगत राष्ट्रों की दृष्टि से भारत का सर्वाधिक विदेशी व्यापार संयुक्त राज्य अमरीका के साथ है।
- अमरीका के साथ भारत का व्यापार शेष अधिकांशतः भारत के पक्ष में ही रहता है।
- वर्ष 1994–95 में रुपए को चालू खाते में पूर्ण परिवर्तनीय घोषित कर दिया गया।
- भारत के हस्तशिल्प (रत्न एवं आभूषण के अतिरिक्त) का सर्वाधिक निर्यात अमरीका को किया जाता है।
- देश के निर्यातों में वृद्धि लाने के लिए 'टारगेट प्लस' नामक एक नई योजना 2005–06 के दौरान आरम्भ की गई थी, जिसे 2006–07 के बजट में समाप्त कर दिया गया था।
- वर्ष 2010–11 की निर्यात संरचना में जिस समूहों की हिस्सेदारी थी– प्राथमिक उत्पादन (कृषि, अयस्क और खनिज) 13.9%, विनिर्मित वस्तुएँ 68%, पेट्रोलियम कच्चा तेल उत्पाद (कोयला सहित) 16.8% तथा अन्य 1.2%।
- वर्ष 2010–11 में भारत का मुख्य व्यापारिक साझेदार संयुक्त राज्य अमरीका था जिसकी निर्यात में हिस्सेदारी 11.9% थी तथा कुल आयात में हिस्सेदारी 5.1% थी।
- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रकाशन, विश्व आर्थिक परिदृश्य अप्रैल 2009 के अनुसार वर्ष 2008 के दौरान भारत के चालू खाते का शेष GDP के– 2.8% अनुमानित कियागया था, जबकि चीन (10%), रूस (6.1%), फिलीपीन्स (2.1%), सिंगापुर (25.7%) आदि देशों में यह आधिक्य के रूप में था।
- 11 सितम्बर, 2001 की घटना के बाद अमरीका नु सुपर–301 व स्पेशल–301 सूचियों के पुनर्निरीक्षण में भारत को दोनों ही निगरानी सूचियों में बाहर कर दिया था, किन्तु हाल में ही भारत का नाम संयुक्त राज्य अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) की 15 देशों की उस सूची में शामिल किया गया है जिन्हें प्राथमिकता के साथ निगरानी वाली सूची (Priority Watch List) में शामिल किया गया है। इसका कारण स्पेशल–301 के प्रावधान के अनुसार व्यवस्था का अभाव बताया गया है।

परिवहन एवं दूरसंचार

- भारत में प्रथम रेलगाड़ी मुम्बई से थाणे तक (34 किमी. की दूरी तक) 1853 में चलाई गई थी।
- भारत में रेलवे स्टेशनों की संख्या 31 मार्च, 2009 को 7030 थी।
- भारत में रेलवे 17 क्षेत्रों (Zones) में विभाजित है, जिसमें से उत्तरी क्षेत्र (मुख्यता– नई दिल्ली) का रूट किलोमीटर सबसे अधिक अधिक है।
- भारतीय रेलवे तीन प्रकार की लाइनों का प्रयोग करती है। ये हैं– ब्रॉड गेज (1,676 मिमी.), मीटर गेज (1,000 मिमी.) तथा नैरों गेज (762 मिमी. व 610 मिमी.)। भारत के कुल रेल नेटवर्क (64015 रूट किमी.) में ब्रॉड गेज (52808 रूट किमी.), मीटर गेज (8473 रूट किमी.) और नैरो गेज (2734 रूट किमी.) का रेलमार्ग है।
- वर्ष 2006–07 को रेलवे बजट में मुस्कान के साथ सेवा वर्ष के रूप में प्रस्तुत किया गया, बकि वर्ष 2007–08 को स्वच्छता वर्ष के रूप में मनाया गया था।
- राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई कुल सड़क मार्ग का 2 प्रतिशत से भी कम है, किन्तु इन पर कुल सड़क यातायात का 40 प्रतिशत आवागमन होता है।
- वर्तमान में यात्री यातायात में सड़क यातायात का हिस्सा लगभग 85 प्रतिशत तथा माल ढुलाई यातायात में लगभग 70 प्रतिशत है।
- राज्यों में सड़क मार्ग की लम्बाई में प्रथम स्थान महाराष्ट्र का है।
- विश्व का सबसे बड़ा यात्री विमान एयर बस A–380 है, जो प्रदर्शन के लिए 6–9 मई, 2007 के दौरान भारत में रहा। यह प्रदर्शन उड़ान किंगफिशर एयरलाइन्स द्वारा प्रायोजित थी।
- अन्तर्राष्ट्रीय विमान सेवाएं एयर इण्डिया द्वारा प्रदान की जाती हैं, जबकि इण्डिया एयरलाइन्स घरेलू विमान सेवा प्रदान करने वाली मुख्य एजेन्सी है। इण्डियन एयरलाइन्स 19 पड़ोसी राष्ट्रों के लिए भी विमान सेवा संचालित करती हैं।
- एशियाई विकास बैंक की सहायता से चेन्नई के निकट एक 'नया एन्नोर बन्दरगाह' (New Ennore Port) स्थापित किया गया है।
- भारत में मोटर वाहनों का सर्वाधिक निर्यात 'जवाहरलाल नेहरू बन्दरगाह' (J.N. Port) से किया जाता है।

आर्थिक नियोजन

- भारत में नियोजन की आवश्यकता के संदर्भ में एक पुस्तक 'Planned Economy for India' (भारत के लिए नियोजित अर्थव्यवस्था) सन् 1934 में प्रकाशित हुई थी। इस पुस्तक के लेखक सर एम. विश्वेश्वरैया थे।
- भारत में नियोजन की आवश्यकता व सम्भावना पर विचार करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1938 में एक 'राष्ट्रीय नियोजन समिति' का गठन किया था। पं. जवाहरलाल नेहरू इस समिति के अध्यक्ष थे।
- मुम्बई के आठ प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा 1944 में एक योजना प्रस्तुत की गई, जो 'बॉम्बे प्लान' कहलाती है। तदुपरान्त 1944 में ही श्री मन्नारायण द्वारा 'गांधीवादी योजना', 1945 में श्रमिक नेता एम. एन. राय द्वारा 'जन योजना' (People's Plan) तथा 1950 में जयप्रकाश नारायण द्वारा 'सर्वोदय योजना' प्रस्तुत की गई।
- भारत में योजना आयोग का गठन 15 मार्च, 1950 को एक गैर–सांविधिक तथा परामर्शदात्री निकाय के रूप में किया गया।
- भारत के प्रधानमंत्री योजना आयोग के पदेन अध्यक्ष हैं।
- भारतीय संविधान में 'योजना आयोग' के गठन के लिए कोई उल्लेख नहीं है।
- राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 6 अगस्त, 1952 को किया गया था।
- भारत की पहली पंचवर्षीय योजना 1 अप्रैल, 1951 से प्रारम्भ हुई।
- 1 अप्रैल, 2007 से ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना प्रारम्भ की गई थी।
- तीसरी पंचवर्षीय योजना (1961–66) तथा यौथी पंचवर्षीय योजना (1969–74) के बीच तीन वर्ष की अवधि को योजना अवकाश (Plan Holiday) की अवधि कहा जाता है। इस अवधि में तीन एकवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की गई।
- पाँचवीं पंचवर्षीय योजना (1974–79) को जनता पार्टी की सरकार द्वारा अपने निर्धारित समय से एक वर्ष पूर्व ही समाप्त घोषित करके छठी योजना (1978–83) लागू की गई थी, जिसे पुनः बदल दिया गया था।

- 1978–83 के लिए बनाई गई छठी योजना को अनवरत् योजना (Rolling Plan) का नाम दिया गया था।
- 1980 में कांग्रेस के केन्द्र में पुनः सत्तारूढ़ होने पर कांग्रेस सरकार ने 1978–83 की योजना के स्थान पर नई छठी पंचवर्षीय योजना (1980–85) लागू की थी।
- आठवीं पंचवर्षीय योजना भी दो वर्ष विलम्ब से प्रारम्भ हुई। सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985–90) 31 मार्च, 1990 को अपनी पूर्ण समयावधि के बाद समाप्त हो गई थी।
- संशोधित नवीं पंचवर्षीय योजना (1997–2002) के दौरान (GDP) में औसत वार्षिक वृद्धि दर का संशोधित लक्ष्य 6.5% रखा गया था।
- दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002–07) में 7.9 प्रतिशत वार्षिक विकास दर प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, किन्तु 7.7% प्राप्ति का अनुमान लगाया गया था।
- नौवीं योजना के प्रमुख उद्देश्य थे : पर्याप्त उत्पादक रोजगार पैदा करना, मूल्यों में स्थायित्व रखते हुए आर्थिक विकास की गति को तेज करना, समाज के कमजोर वर्गों के लिए भोजन एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना, स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक स्वास्थ्य, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा एवं आवास जैसी मूलभूत–न्यूनतम सेवाएं प्रदान करना, जनसंख्या वृद्धि की दर को नियन्त्रित करना तथा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के प्रयासों को सुदृढ़ करना।
- दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वृद्धिमान पूँजी उत्पाद अनुपात (ICOR) 4.3 रहा जिसे ग्यारहवीं योजना के लिए 4.1 लक्षित किया गया था।
- आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चालू खाते का घाटा जी.डी.पी. (बाजार मूल्य पर) के 1.6 प्रतिशत तक रखने का लक्ष्य था, किन्तु वास्तव में यह 1.1 प्रतिशत रहा।
- भारत की 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के दृष्टिकोण पत्र (Approach Paper) को योजना आयोग की 20 अगस्त, 2011 की पूर्ण बैठक में स्वीकार किया गया था।
- 12वीं योजना में 9% वार्षिक वृद्धि दर का लक्ष्य दृष्टिकोण पत्र में प्रस्तावित किया गया है। वैश्विक स्थिति में सुधार होने पर इसे 9.5% तक बढ़ाया जा सकता है।

राजस्व

- 2012–13 के बजट के अनुसार केन्द्र सरकार को प्राप्त होने वाले कर–राजस्व में सर्वाधिक योगदान निगम कर (21%) का है।
- 2005–06 के बजट में धारा 88 समाप्त करके इस वर्ग की छूटों को धारा 80C में सम्मिलित करके अधिकतम 1 लाख तक की बचतों को सीधे कर–योग्य आय में से घटाए जाने की घोषणा की गई थी जिसे आगामी 2006–07, 2007–08, 2008–09 तथा 2009–10 में भी लागू किया गया था। वर्ष 2010–11 के बजट में इस राशि के अतिरिक्त 20,000 रुपए के करमुक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉण्ड में निवेश की छूट भी दे दी गई थी। अतः यह राशि बढ़कर 1.20 लाख रुपए हो गई थी। इसे वर्ष 211–12 के लिए भी बजट में मान लिया गया था। वर्ष 2012–13 के बजट में 20,000 रुपए की राशि को समाप्त करके 80C के तहत् 100000 रुपए की राशि को ही रखा गया है।
- 2005–06 के बजट में वेतनभोगियों को मिलने वाली मानक कटौती समाप्त कर दी गई थी।

मुख्य बजट 2012–13 : विभिन्न घाटे GDP के % रूप में		
घाटा	**2011-12 (RE)**	**2012-13 (BE)**
राजस्व घाटा	4.4%	3.4%
राजकोषीय घाटा	5.9%	5.1%
प्राथमिक घाटा	2.8%	1.9%

- वर्ष 2012–13 के बजट में सेवा कर की दर 12% कर दी गई है।
- 2012–13 के बजट में सुरक्षा हेतु 193407 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- केन्द्र को सर्वाधिक निवल (Net) राजस्व की प्राप्ति सीमा शुल्कों से होती है। सीमा शुल्क से प्राप्त राजस्व का बँटवारा राज्यों को नहीं करना होता है।
- वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत् किया जाता हैं
- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् अब तक कुल 13 वित्त आयोग गठित किए जा चुके हैं।
- 13वें वित्त आयोग की सिफारिशें 2010–15 तक की अवधि के लिए की गई है।
- 13वें वित्त आयोग का गठन नवम्बर, 2007 में किया गया था। विजय केलकर को 13वें वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। आयोग ने अपनी सिफरशिें सरकार को 30 दिसम्बर, 2010 को प्रस्तुत की थी। इसे सरकार ने 25 फरवरी, 2010 को लोक सभा में पेश किया था।
- कर ढाँचे में सुधार के लिए सुधार देने हेतु 'चेलैया समिति' कागठन अगस्त 1991 में किया गया था।
- चेलैया समिति ने गैर–कृषकों की 25 हजार रुपए से अधिक की वार्षिक कृषि आय पर आयकर लगाने की संस्तुति की थी।
- भारत का बाह्य ऋण जो मार्च 1992 के अन्त में GDP का 41% था, मार्च 2011 के अन्त में GDP का 17.8% होने का अनुमान है।

गरीबी, बेरोजगारी एवं रोजगारपरक कार्यक्रम

- भारत में गरीबी का आकलन पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा उपभोग न कर पाने की क्षमता के आधार पर किया जाता है। उस व्यक्ति को निर्धनता की रेखा से नीचे माना जाता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 2400 कैलोरी व शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी भोजन प्राप्त करने में असमर्थ है।
- सुरेश तेंदुलकर समिति ने निर्धनता रेखा के निर्धारण हेतु उपयोग व्यय को अधिकार माना है जिसके अनुसार 2004–05 में देश में 27% के स्थान पर 37% जनसंख्या को निर्धनता रेखा से नीचे माना है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात 41.8% पाया गया है, जो पहले 28.3% आकलित किया गया था।
- योजना आयोग के सदस्य डॉ. अभिजीत सेन के अध्ययन के अनुसार 2004–05 से 2009–10 के दौरान पाँच वर्षों में देश में निर्धनता अनुपात (Poverty Ratio) में जहाँ कमी आई, वहीं निर्धनों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्ष 2004–05 में देश की कुल 100 करोड़ जनसंख्या में 37 करोड़ लोग निर्धन थे, जबकि 2009–10 में 121 करोड़ की जनसंख्या में निर्धनों की संख्या 38.5 करोड़ आकलित की गई है। इस प्रकार 2004–05 में निर्धनता अनुपात 37.2% था, जबकि 2009–10 में यह 32% रह गया।

- निर्धनता रेखा के आकलन के लिए दो प्रकार की प्रश्नावली का उपयोग NSSO के 61वें चक्र के अन्तर्गत किया गया है। इनमें एक यूनीफॉर्म रिकॉल पीरिएड (URP) के उपभोग व्यय पर आधारित है, जबकि दूसरी मिक्सड रिकॉल पीरिएड (MRP) उपभोग आधारित है।
- URP आधारित आँकड़ों में निर्धनता की स्थिति की तुलना 1993–94 के आँकड़ों से की जा सकती है, जबकि MRP आँकड़ों की तुलना 1999–2000 के आँकड़ों से की जा सकती है।
- URP आँकड़ों के अनुसार राज्यों में निर्धनों की सर्वाधिक संख्या (5.90 करोड़) उत्तर प्रदेश में है।
- निर्धनों की निरपेक्ष संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश का स्थान जहाँ सबसे ऊपर है, वहीं निर्धनता अनुपात के मामले में (कुल जनसंख्या में निर्धन जनसंख्या का प्रतिशत) ओडिशा (46.4%) का स्थान सर्वोच्च है।
- विश्व बैंक की 'विश्व विकास सूचक' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार विश्व में निर्धन लोगों की सर्वाधिक संख्या भारत में है। विश्व की 1.3 अरब निर्धन जनसंख्या का सर्वाधिक 36% भाग भारत में है। इन निर्धनों की आय 1 डॉलर प्रतिदिन से कम है।
- 2001 की जनगणना के अन्तिम आँकड़ों के अनुसार देश में कार्य सहभागिता दर (Work Participation Rate) अर्थात् कुल जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में कुल श्रमिक 39.1 प्रतिशत थी।
- 2001 की जनगणना के अनुसार पुरुषों में कार्य सहभागिता दर 51.7 प्रतिशत तथा महिलाओं में 25.6 प्रतिशत थी।
- 3 दिसम्बर, 2005 को जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय ग्रामीण रिन्यूबल मिशन प्रारम्भ किया गया।
- वर्ष 2009–10 के बजट में 50% से अधिक अनुसूचित जाति की जनसंख्या वाले गाँवों के लिए प्रधानमंत्री आदर्श गाँव योजना घोषित की गई थी। महिला साक्षरता के लिए राष्ट्रीय महिला साक्षरता मिशन की घोषणा भी 2009–10 के बजट में की गई थी।

मुद्रा, बैंकिंग एवं पूँजी बाजार

- यूरोपीय बैंकिंग प्रणाली पर आधारित देश में पहला बैंक एजेक्जेण्डर एण्ड कम्पनी द्वारा सन् 1770 में कोलकाता (कलकत्ता) में 'बैंक ऑफ हिन्दुस्तान' नाम से प्रारंभ किया गया था। यह बैंक सफल न हो सका।
- सरकार के वित्तीय सहयोग से निजी अंशधारियों द्वारा 1806 में बैंक ऑफ बंगाल, 1840 में बैंक ऑफ बॉम्बे तथा 1843 में बैंक ऑफ मद्रास की स्थापना की गई। यह तीनों बैंक प्रेसीडेन्सी बैंक कहलाते थे। प्रेसीडेन्सी बैंकों को 1862 तक कागजी नोट निर्गमन का अधिकार भी प्राप्त था।
- 1921 में तीनों प्रेसीडेन्सी बैंकों को मिलाकर इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना की गई।
- 1 जुलाई, 1955 को इम्पीरियल बैंक का आंशिक राष्ट्रीयकरण करके उसका नाम स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया कर दिया गया। वर्तमान में स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा व्यापारिक बैंक है।
- पूर्णरूप से पहला भारतीय बैंक 'पंजाब नेशनल बैंक' था। इसकी स्थापना 1894 में की गई थी।
- रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया भारत का केन्द्रीय बैंक (Central Bank) है। इसकी स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को की गई थी। इसका मुख्यालय मुम्बई में है। रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण 1 जनवरी, 1949 को किया गया था। डॉ. डी. सुब्बाराव RBI के वर्तमान गवर्नर हैं।
- देश के 14 बड़े व्यापारिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 को किया गया था। बाद में 15 अप्रैल, 1980 को 6 अन्य व्यापारिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया। सितम्बर, 1993 में न्यू बैंक ऑफ इण्डिया का विलय पंजाब नेशनल बैंक में कर दिए जाने के परिणामस्वरूप देश में राष्ट्रीयकृत वाणिज्यिक बैंकों की संख्या 20 से घटकर 19 ही रह गई।
- 19 जुलाई, 1969 को उन बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था, जिनके पास कुल जमाएं (Deposits) 50 करोड़ रुपए से अधिक की थी। 15 अप्रैल, 1980 को 200 करोड़ रुपए से अधिक की जमाओं वाले बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।
- अनुसूचित व्यापारिक बैंक उन बैंकों को कहा जाता है। जिनका नाम 1934 के रिजर्व बैंक अधिनियम की दूसरी अनुसूची में सम्मिलित कर लिया गया है।
- जून 2011 के अन्त तक की स्थिति के अनुसार देश में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की शाखाओं की कुल संख्या 90775 थी, जिसमें से ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिशत 37.2 है।
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना 1975 से की गई। सिक्किम और गोआ को छोड़कर देश के सभी राज्यों में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कार्यरत हैं। इनकी कुल संख्या 196 से घटकर 31 मार्च, 2006 को 133 रह गई थी। 31 अगस्त, 2006 तक 134 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) को मिलाकर 42 नए बैंक गठित किए गए हैं। इन बैंकों को 16 राज्यों में 18 बैंकों ने प्रायोजित किया है। अब RRBs की संख्या 196 से घटकर 82 रह गई है। विलय प्रक्रिया अभी जारी है। वर्तमान में यह संख्या 31 है।
- लघु औद्योगिक इकाइयों के लिए वित्त व्यवस्था करने के उद्देश्य से 2 अप्रैल, 1990 को भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (Small Industrial Development Bank of India–SIDBI) की स्थापना की गई थी। इसका मुख्यालय लखनऊ में है।
- भारतीय औद्योगिक पुनिर्माण बैंक (Industrial Reconstrution Bank of India–IRBI) की स्थापना 20 मार्च, 1985 को की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य रुग्ण तथा बन्द पड़ी औद्योगिक इकाइयों के पुनर्मिाण हेतु वित्त उपलब्ध कराना है। इस बैंक का मुख्यालय कोलकाता में है।
- भारत में सामान्य बीमा (General Insurance) व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण 1971 में किया गया तथा भारतीय सामान्य बीमा निगम (General Insurance Corporation of India) की स्थापना नवम्बर 1972 में की गई थी।
- भारतीय सामान्य बीमा निगम के अन्तर्गत 4 सहायक कम्पनियाँ कार्यरत् हैं। इनके नाम इस प्रकार हैं– (1) नेशनल इंश्योरेन्स कम्पनी लि. (2) न्यू इण्डिया एश्योरेन्स कम्पनी लि. (3) ओरिएन्टल इंश्योरेन्स कम्पनी लि. तथा (4) यूनाइटेड इण्डियाइंश्योरेन्स कम्पनी लि.।
- भारतीय जीवन बीमा निगम (Life Insurance Corporation of India) की स्थापना 1 सितम्बर, 1956 को की गई थी।

- देश में कृषि एवं ग्रामीण विकास केलिए वित्त व्यवस्था करने हेतु शिखर संस्था नाबार्ड (NABARD–National Bank for Agricultural and Rural Development) है। नाबार्ड की स्थापना 12 जुलाई, 1982 को की गई थी।
- सुविधाजनक शर्तों पर आवास वित्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आवास बैंक (National Housing Bank–NHB) की स्थापना एक शिखर संस्था के रूप में जुलाई 1988 में की गई थी।
- आयात–निर्यात के लिए वित्ता व्यवस्था हेतु देश में शिखर संस्था निर्यात–आयात बैंक (EXIM Bank) है। इसकी स्थापना 1 जनवरी, 1982 को की गई थी।
- भारत में सहकारी बैंकों का संगठन त्रिस्तरीय है। राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंक, जिला स्तर पर जिला सहकारी बैंक अथवा केन्द्रीय सहकारी बैंक तथा स्थानीय स्तर पर प्राथमिक सहकारी समितियाँ कार्य करती हैं।
- सहकारी बैंकों में राज्य सहकारी बैंकों को ही रिजर्व बैंक से पुनर्वित्त प्राप्त करने की सुविधा प्राप्त हैं।
- RBI ने एक हजार रुपए का नोट 22 वर्षों के अन्तराल के बाद 9 अक्टूबर, 2000 को जारी किया था।
- बैंक दर वह दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक, बैंकों के प्रथम श्रेणी के बिलों की पुनर्कटौती (Rediscount) करता है। भारत में 17 अप्रैल, 2012 से बैंक दर 9.0 प्रतिशत है।
- खुले बाजार की क्रियाओं के अन्तर्गत देश का केन्द्रीय बैंक मान्यता प्राप्त सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय–विक्रय खुले बाजार में करता है।
- नरसिंहम समिति ने अपनी सिफारिशों में सांविधिक तरलता अनुपात का उस समय के 38.5 प्रतिशत से धीरे–धीरे घटाकर अगले पाँच वर्षों में 25 प्रतिशत तक लाने की संस्तुति की थी।
- नरसिंहम समिति की सिफारिशों में देश में बैंकों का ढाँचा चार स्तरीय करने, निजी क्षेत्र में नए बैंक खोलने की अनुमति देने, बैंकों को शाखा विस्तार में स्वतन्त्रता देने, भविश्य में और बैंकों का राष्ट्रीयकरण न करने, रियायती ब्याज दरों की व्यवस्था समाप्त करने आदि की सिफारिशें शामिल थीं।
- बैंकों में ग्राहक सेवा सुधारने हेतु सुझाव देने के लिए गोइपोरिया समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 5 दिसम्बर, 1991 को सरकार को प्रस्तुत कर दी थी।
- शेयर घोटाले की जाँच हेतु रिजर्व बैंक द्वारा अप्रैल 1992 में जानकीरमन समिति का गठन किया था।
- निवेशकों के हितों की सुरक्षा व पूँजी बाजार के समुचित विनियमन के उद्देश्य से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (Securities and Exchange Board of India–SEBI) की स्थापना अप्रैल, 1988 में की गई थी। 30 जनवरी, 1992 को राष्ट्रपति के एक अध्यादेश द्वारा इसे वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- 1970–71 से भारत में मुद्रा आपूर्ति की माप के लिए M_1, M_2, M_3 तथा M_4 का प्रयोग किया जाता है।
- M_1 के अन्तर्गत लोगों के पास नकद मुद्रा, बैंकों के पास माँग जमाएं तथारिजर्व बैंक के पास अन्य जमाएं शामिल की जाती हैं।
- M_2 की गणना के लिए M_1 में डाकघरों के पास बचत बैंक में जमाएं (Saving Deposits with the Post Offices) जोड़ी जाती है।
- M_3 ज्ञात करने के लिए M_1 में बैंकों की सावधि जमाएं (Time Deposits with Banks) जोड़ दी जाती है।
- M_4 मुद्रा आपूर्ति का सबसे विस्तृत माप है। इसमें M_3 के साथ–साथ डाकघरों की समस्त जमाएं सम्मिलित होती हैं।
- सरकारी प्रतिभूतियों का द्वितीयक बाजार विकसित करने के उद्देश्य से मई 1994 में भारतीय प्रतिभूति व्यापार निगम (Securities Trading Corporation of India–STCI) का गठन किया गया।
- शेयर मूल्यों में होने वाले परिवर्तनों को बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने हेतु मुम्बई शेयर बाजार ने 27 मई, 1994 से दो नए शेयर मूलय सूचकांक बी.एस.ई.–200 तथा डॉलेक्स (Dollex) चालू किए थे। BSE–200 का ही डॉलर मूल्य में अन्य सूचकांक डॉलेक्स कहलाता है। इन सूचकांकों का आधार वर्ष 1989–90 है। BSE–200 में 200 चुनींदा कम्पनियों के शेयरों का समावेश किया गया है।
- ओवर दी काउण्टर एक्सचेन्ज ऑफ इण्डिया (OTCEI) ने अनेक सूचीबद्ध शेयरों एवं ऋणपत्रों के साथ मई 1993 से कार्य करना प्रारम्भ कर दिया। यह मुम्बई में स्थित हैं
- दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज (DSE) ने ऑनलाइन ट्रेडिंग (DOTs) के बाद एक अत्याधुनिक बैंक ऑफिस ट्रेडिंग सिस्टम प्रारम्भ किया है, जिसकी सहायता से अब शेयर दलालों को स्टॉक एक्सचेंज स्थित अपने कार्यालय से ही कारोबार करना आवश्यक नहीं है। शेयर दलाल अपने घरों से या अपने कार्यालयों से ही कम्प्यूटरीकृत V–SAT नेटवर्क की सहायता से शेयरों का क्रय–विक्रय कर सकते हैं।
- राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज ने अप्रैल 1996 में NSE–100 के स्थान पर नया शेयर मूल्य सूचकांक NSE–50 लाँच किया था। इसमें 50 कम्पनियों के शयर ही सम्मिलित किए गए हैं।
- क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी 'क्रिसिल' (CRISIL) द्वारा 500 चुनींदा कम्पनियों के शेयर मूल्यों पर आधारित एक शेयर मूल्य सूचकांक (CRISIL - 500) की शुरूआत 18 जनवरी, 1996 से की गई है। इसका आधार वर्ष 1994 है।
- 10 मार्च, 2012 से CRR को 4.75% कर दिया गया है।
- 17 अप्रैल, 2012 से रेपो दर को 8.0% कर दिया गया है।
(रेपो दर वह दर है जिस पर वाणिज्यिक बैंक RBI से अल्पकालीन राशियाँ प्राप्त करते हैं, जबकि रिवर्स रेपो रेट वह दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी फालतू, तरलता अल्पकाल के लिए रिजर्व बैंक के पास जमा रखते हैं)
- 17 अप्रैल, 2012 से रिवर्स रेपो दर को 7.0% कर दिया गया है।
- मार्च 2008 के अन्त में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों की सकल गैर–निष्पादन परिसम्पत्तियाँ (NPA) 62510 करोड़ रुपए थीं, जबकि शुद्ध गैर–निष्पादन परिसम्पत्तियाँ 34420 करोड़ रुपए थीं।
- विदेशी मुद्रा के वायदा कारोबार के लिए यूनाइटेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लि. (USEIL) नाम से चौथा बाजार की अनुमति सेबी ने फरवरी, 2009 में प्रदान कर दी गई व इससे पहले कार्यरत् तीन स्टॉक एक्सचेंज हैं–राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (NSE), बम्बई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) तथा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के स्टॉक एक्सचेंज (MCX-SX)

जनसंख्या

- 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार 1 मार्च, 2011 को सूर्योदय के समय भारत की कुल जनसंख्या 121.02 करोड़ थी।
- उक्त जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या 62.37 करोड़ तथा स्त्री जनसंख्या 58.65 करोड़ थी।
- 2001 की जनसंख्या की तुलना में 2011 में जनसंख्या में कुल 18.15 करोड़ व्यक्तियों की वृद्धि हुई। इस प्रकार 2001–2011 के दशक में जनसंख्या में 17.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- राज्यों में सर्वाधिक दशक वृद्धि दर मेघालय में (27.82 प्रतिशत) रही, जबकि न्यूनतम नगालैण्ड में (–0.47 प्रतिशत) रही।
- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में स्त्री–पुरुष अनुपात 940 महिलाएं प्रति हजार पुरुष रहा। राज्यों में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की सर्वाधिक संख्या केरल में (1084 महिलाएं प्रति हजार पुरुष) तथा सबसे कम हरियाणा में (877 महिलाएं प्रति हजार पुरुष) रही।
- 2011 की जनगणना के अनुसार देश में जनसंख्या का घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था।
- राज्यों में सर्वाधिक घनत्व बिहार में (1102 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) तथा सबसे कम अरुणाचल प्रदेश में (17 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) रहा।
- केन्द्रशासित क्षेत्रों में सर्वाधिक घनत्व दिल्ली में (11297 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) तथा सबसे कम अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह में (46 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) था।
- सर्वाधिक साक्षरता केरल में (93.91 प्रतिशत) तथा सबसे कम बिहार में (63.82 प्रतिशत) पाई गई।
- महिलाओं में सर्वाधिक साक्षरता केरल में (91.98 प्रतिशत) तथा सबसे कम राजस्थान में (52.66 प्रतिशत) पाई गई।
- देश में अब तक पूर्ण साक्षर घोषित किया जाने वाला एकमात्र राज्य केरल है।
- 2001 की जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 16.66 करोड़ (कुल जनसंख्या का 16.2 प्रतिशत) तथा अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 8.43 करोड़ (कुल जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत) थी।
- भारत में पहली बार जनगणना का कार्य 1872 में हुआ था, किन्तु वह जनगणना नियमित नहीं थी। 10 वर्षीय अन्तराल वाली पहली नियमित व अखिल भारतीय जनगणना 1881 में सम्पन्न हुई। तब से प्रति दस वर्ष बाद जनगणना की जाती है।
- 25 सितम्बर, 2002 को हरियाणा सरकार ने 'देवीरूपक योजना' प्रारम्भ की। इस योजना का उद्देश्य राज्य में जनसंख्या नियंत्रण के साथ–साथ लिंगानुपात (Sex Ratio) में आ रही गिरावट को रोकना है।

प्रमुख बिन्दु :

(i) 1991–2001 में हिन्दू जनसंख्या वृद्धि 20% जबकि सर्वाधिक वृद्धि मुस्लिम वर्ग में 29.3%

(ii) सर्वाधिक साक्षरता जैन समुदाय 94.1% न्यूनतम साक्षरता मुस्लिम समुदाय 59.1%

(iii) सर्वाधिक महिला साक्षरता जैन समुदाय 90.6% न्यूनतम महिला साक्षरता मुस्लिम समुदाय 50.1%

(iv) सर्वाधिक लिंगानुपात ईसाई समुदाय 1009 महिला प्रति 1000 पुरुष

न्यूनतम लिंगानुपात सिख समुदाय 893 महिला प्रति 1000 पुरुष

- संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या प्रभाग की एक ताजा रिपोर्ट 'रिवीजन ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रोसपेक्टस' के अनुसार विश्व की कुल जनसंख्या वर्ष 2009 तक 6.83 अरब थी, 31 अक्टूबर, 2011 को यह 7 अरब के आँकड़े को पार कर गई थी। सन् 2050 तक विश्व जनसंख्या 9.18 अरब हो जाएगी। इसी अवधि में जहाँ विकसित देशों की जनसंख्या 1.28 अरब के स्तर पर ही बने रहने का आकलन है। वहीं विकासशील देशों में जनसंख्या का वर्तमान स्तर 5.6 अरब से बढ़कर 7.9 अरब तक पहुँचने का अनुमान है।

विविध

- केन्द्र सरकार की गुड़गाँव के निकट एक **सैटेलाइट फ्रेट सिटी** (Satellite Freight City) विकसित करने की योजना है। इससे फूलों, सब्जियों जैसी शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुओं (Perishable Goods) के त्वरित निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके लिए चोमा गाँ में लगभग 250 एकड़ भूमि का अधिग्रहण भी किया जा चुका है।
- सब्जियों के उत्पादन में भारत का विश्व में पहला स्थान है।
- आम और केले के उत्पादन में भारत का विश्व में पहला स्थान है।
- भारत में मनीऑर्डर प्रणाली की शुरूआत सर्वप्रथम 1880 ई. में हुई थी।
- भारत में पहला डाक टिकट 1854 ई. में कराची में जारी किया गया।
- भारत में डाकघर बचत बैंक 1882 ई. में प्रारम्भ की गई।
- भारत का प्रथम पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत (Fully Computerised) डाकघर नई दिल्ली में स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन 10 अक्टूबर, 1994 को किया गया था।
- सरकार ने डॉ. आर. एन. मलहोत्रा की अध्यक्षता में बीमा क्षेत्र में सुधार हेतु सिफारिश देने के लिए एक समिति का गठन किया था समिति ने अपनी रिपोर्ट 7 जनवरी, 1994 को प्रस्तुत कर दी थी।
- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना 27 दिसम्बर, 1945 को की गई थी, किन्तु इसने वास्तविक रूप में कार्य 1 मार्च, 1947 से प्रारम्भ किया था।
- भारत IMF का एक संस्थापक सदस्य है। भारत का वित्त मन्त्री IMF के गवर्नर मण्डल का पदेन (Ex-Officio) गवर्नर होता है।